PRACTICES	HYBRID MARIGOLD (SEAMONS KESHARIYA)	व्यवस्थापन	हाइब्रिड मेरीगोल्ड (सिमोन्स केशरिया)
Field Sanitation	Remove residues of previous crops, weeds, old vines and diseased/damaged plant material before sowing. Keep the boundries of field clean to reduce pest and disease carry-over.	**खेत की सफाई**	बुवाई से पहले पिछली फसलों के अवशेष, खरपतवार, पुरानी बेलें और रोगग्रस्त/क्षतिग्रस्त पौधों को हटा दें। कीटों और रोगों के प्रसार को कम करने के लिए खेत की सीमाओं को साफ रखें।
Soil requirement	Sandy loam to loam soil, well-drained, fertile, with good organic matter. Ideal pH-range: around 6.0-7.5. Avoid waterlogging, saline or alkaline soil.	**मिट्टी की आवश्यकता**	बलुई दोमट से दोमट मिट्टी, अच्छी जल निकासी वाली, उपजाऊ, जिसमें पर्याप्त जैविक पदार्थ हो। आदर्श पीएच सीमा: लगभग 6.0-7.5। जलभराव, खारी या क्षारीय मिट्टी से बचें।
Soil Testing	Conduct soil testing at least once every 2–3 years for EC, pH, OC, and macro-micro nutrients, and apply fertilizers based on test results.	**मृदा परीक्षण**	मिट्टी की ईसी, पीएच, ओईसी और वृहद-सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच कम से कम हर 2-3 साल में एक बार करें और परीक्षण परिणामों के आधार पर उर्वरक डालें।
Climate Suitability	Climate Requirement Marigold thrives in mild climate — 18–30 °C optimum for growth and flowering. Frost and extreme heat reduce flower quality. Needs full sunlight and moderate humidity.	**जलवायु उपयुक्तता**	जलवायु संबंधी आवश्यकताएँ गेंदे का पौधा समशीतोष्ण जलवायु में अच्छी तरह पनपता है — 18-30 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि और फूल आने के लिए इष्टतम है। पाला और अत्यधिक गर्मी फूलों की गुणवत्ता को कम कर देते हैं। इसे पूर्ण सूर्यप्रकाश और मध्यम आर्द्रता की आवश्यकता होती है।
Land preparation	Land Preparation Plough land 2–3 times and harrow to fine tilth. Incorporate 8–10 t FYM/acre during final ploughing. Prepare raised beds or ridges and furrows for drainage and easy interculture.	**भूमि की तैयारी**	भूमि की तैयारी खेत को 2-3 बार जोतें और बारीक जुताई के लिए हैरो करें। अंतिम जुताई के दौरान 8-10 टन गोबर की खाद/सूखी खाद (FYM) प्रति एकड़ मिलाएं। जल निकासी और आसान अंतरफसल के लिए ऊंचे क्यारियां या मेड़ें और नालियां तैयार करें।
Sowing Time	Sowing Time / Season Varies by region and market demand: • Rainy crop: June–July. • Winter crop: September–October. • Summer crop: January–February.	**बुवाई का समय**	बुवाई का समय/मौसम क्षेत्र और बाजार की मांग के अनुसार भिन्न-भिन्न होता है: • बरसात की फसल: जून-जुलाई • शीतकालीन फसल: सितंबर-अक्टूबर • ग्रीष्मकालीन फसल: जनवरी-फरवरी
Seed rate & Spacing	Seed Rate / Sowing Method / Spacing Seed rate: ~160–200 g/acre (for 1 acre transplanting area). Nursery sowing: Seeds are sown in raised nursery beds (1 m × 3 m). Transplant seedlings at 25–30 days old when they reach 10–12 cm height. Spacing: 45 × 45 cm (African marigold) and 30 × 30 cm (French marigold).	**बीज दर और दूरी**	बीज की मात्रा / बुवाई विधि / पौधों के बीच की दूरी बीज की मात्रा: लगभग 160-200 ग्राम प्रति एकड़ (1 एकड़ रोपण क्षेत्र के लिए)। नर्सरी में बुवाई: बीजों को उठी हुई नर्सरी क्यारियों (1 मीटर × 3 मीटर) में बोया जाता है। 25-30 दिन के होने पर, जब पौधे 10-12 सेंटीमीटर ऊँचाई के हो जाएँ, तो उन्हें रोप दें। पौधों के बीच की दूरी: 45 × 45 सेंटीमीटर (अफ्रीकी गेंदा) और 30 × 30 सेंटीमीटर (फ्रेंच गेंदा)।
Seed Treatment	Seed Treatment / Fungicide Treat seeds with Carbendazim or Thiram @ 2 g/kg seed to prevent damping-off and seed-borne diseases.	**बीज उपचार**	बीज उपचार / फफूंदनाशक बीजों को सड़न और बीज जनित रोगों से बचाने के लिए कार्बेन्डाजिम या थिरम से 2 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
Weed Management	Weed Control Keep the field weed-free during initial 40 days after transplanting. First weeding at 20 days, second at 40 days after transplanting. Mulching with dry grass or black plastic helps control weeds and conserve soil moisture.	**खरपतवार प्रबंधन**	खरपतवार नियंत्रण रोपण के बाद शुरुआती 40 दिनों तक खेत को खरपतवार मुक्त रखें। पहली निराई 20 दिन बाद और दूसरी 40 दिन बाद करें। सूखी घास या काले प्लास्टिक से मल्चिंग करने से खरपतवारों को नियंत्रित करने और मिट्टी की नमी बनाए रखने में मदद मिलती है।
Fertilizer Management	Fertilizer & Nutrient Management (Per Acre) Organic manure: 8–10 t FYM/acre before transplanting. Chemical fertilizers: • Urea – 65 kg (≈ 30 kg N) • SSP – 150 kg (≈ 24 kg P_2O_5) • MOP – 50 kg (≈ 30 kg K_2O) Application schedule: Apply full P & K and ½ N as basal; remaining ½ N at 30–35 days after transplanting.	**उर्वरक प्रबंधन**	उर्वरक एवं पोषक तत्व प्रबंधन (प्रति एकड़) जैविक खाद: रोपाई से पहले 8-10 टन गोबर की खाद/एकड़। रासायनिक उर्वरक: • यूरिया – 65 कि.ग्रा. (≈ 30 कि.ग्रा. नाइट्रोजन) • एसएसपी – 150 कि.ग्रा. (≈ 24 कि.ग्रा. फास्फोरस/ऑक्सीजन) • एमओपी – 50 कि.ग्रा. (≈ 30 कि.ग्रा. पोटेशियम/ऑक्सीजन) प्रयोग का समय: पूर्ण फास्फोरस और पोटेशियम तथा आधा नाइट्रोजन आधार के रूप में डालें; शेष आधा नाइट्रोजन रोपाई के 30-35 दिन बाद डालें।
Irrigation Management	Irrigation Management Provide light irrigation immediately after transplanting. Subsequent irrigation every 5–6 days in summer, and 8–10 days in winter. Avoid over-watering, which causes root rot and poor flowering.	**सिंचाई प्रबंधन**	सिंचाई प्रबंधन पौधे लगाने के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। गर्मी में हर 5-6 दिन और सर्दी में हर 8-10 दिन में सिंचाई करें। अधिक पानी देने से बचें, क्योंकि इससे जड़ों में सड़न और फूल कम आना जैसी समस्या हो सकती है।
Pest Management	Pest Management 1. Aphids & Thrips: Spray Imidacloprid @ 0.3 ml/L or Neem oil @ 3%. 2. Leaf miner: Spray Dimethoate 30 EC @ 2 ml/L. 3. Red mite / Caterpillars: Spray Spinosad @ 0.3 ml/L.	**कीट प्रबंधन**	कीट प्रबंधन 1. एफिड्स और थ्रिप्स: इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव 0.3 मिली/लीटर या नीम का तेल 3% की मात्रा में। 2. लीफ माइनर: डाइमेथोएट 30 ईसी का छिड़काव 2 मिली/लीटर की मात्रा में। 3. रेड माइट/कैटरपिलर: स्पाइनोसाड का छिड़काव 0.3 मिली/लीटर की मात्रा में।
Disease Management	Disease Management 1. Damping-off: Treat nursery soil with Captan 0.3% before sowing. 2. Leaf spot / Blight: Spray Mancozeb 0.25% or Copper oxychloride 0.3%. 3. Powdery mildew: Apply Wettable sulphur @ 2 g/L at 10–15 day intervals.	**रोग प्रबंधन**	रोग प्रबंधन 1. डैम्पिंग-ऑफ: बुवाई से पहले नर्सरी की मिट्टी को कैप्टन 0.3% से उपचारित करें। 2. लीफ स्पॉट/ब्लाइट: मैनकोजेब 0.25% या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 0.3% का छिड़काव करें। 3. पाउडरी मिल्ड्यू: 10-15 दिनों के अंतराल पर 2 ग्राम/लीटर की दर से वेटेबल सल्फर का प्रयोग करें।
Harvesting & Yield	Harvesting / Yield Flowers ready in 60–70 days (French) and 75–90 days (African) after transplanting. Harvest when flowers are fully opened but before fading. Average yield: 80–100 quintals/acre (depending on variety and season).	**कटाई और उपज**	कटाई / उपज रोपण के बाद 60-70 दिनों (फ्रेंच किस्म) और 75-90 दिनों (अफ्रीकी किस्म) में फूल तैयार हो जाते हैं। फूलों के पूरी तरह खिलने पर, लेकिन मुरझाने से पहले, उनकी कटाई करें। औसत उपज: 80-100 क्विंटल प्रति एकड़ (किस्म और मौसम के अनुसार)।
Post-Harvest Management & Storage	Post-Harvest Handling Pick flowers daily early morning, avoid handling wet flowers. Grade by size and color, and pack in bamboo baskets or ventilated crates lined with paper. For longer keeping, store at 8–10 °C and 90% RH.	**फसल कटाई के बाद का प्रबंधन और भंडारण**	कटाई के बाद की देखभाल फूलों को प्रतिदिन सुबह जल्दी तोड़ें, गीले फूलों को छूने से बचें। आकार और रंग के अनुसार छाँटें और बाँस की टोकरियों या कागज से ढकी हवादार पेटियों में पैक करें। अधिक समय तक रखने के लिए, 8-10 डिग्री सेल्सियस तापमान और 90% आर्द्रता पर संग्रहित करें।
Disclaimer	These recommendations are based on SAUs, government agencies, and trial centers. Actual results may vary depending on soil type, climate, variety, and crop management practices.	**अस्वीकरण**	ये सिफारिशें एसएयू, सरकारी एजेंसियों और परीक्षण केंद्रों पर आधारित हैं। वास्तविक परिणाम मिट्टी के प्रकार, जलवायु, किस्म और फसल प्रबंधन पद्धतियों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।
	Pinching / Training Pinch off the terminal shoot about 20 days after transplanting to promote branching and more flowers.		पिंचिंग / ट्रेनिंग रोपण के लगभग 20 दिन बाद शाखाओं को बढ़ाने और अधिक फूल आने के लिए ऊपरी शाखा को तोड़ दें।

PRACTICES	વ્યવસ્થાપન	હાઇબ્રિડ મેરીગોલ્ડ (સિમોન્સ કેશરીયા)	पद्धती	हायब्रिड मेरीगोल्ड (सिमोन्स केशरिया)
Field Sanitation	**ખેતરની સ્વચ્છતા**	વાવણી પહેલાં પાછલા પાકના અવશેષો, નીંદણ, જૂની વેલા અને રોગગ્રસ્ત/ક્ષતિગ્રસ્ત છોડની સામગ્રી દૂર કરો. જીવાત અને રોગના ફેલાવાને ઘટાડવા માટે ખેતરની સીમાઓ સ્વચ્છ રાખો.	**फील्ड स्वच्छता**	पेरणी करण्यापूर्वी मागील पिकांचे अवशेष, तण, जुन्या वेली आणि रोगग्रस्त/खराब झालेले वनस्पतींचे अवशेष काढून टाका. कीड आणि रोगांचा प्रसार कमी करण्यासाठी शेताच्या सीमा स्वच्छ ठेवा.
Soil requirement	**માટીની જરૂરિયાત**	રેતાળ લોમથી લોમ જમીન, સારા પાણીના નિતારવાળી, ફળદ્રુપ, સારા કાર્બનિક પદાર્થોવાળી. આદર્શ pH-શ્રેણી: લગભગ 6.0-7.5. પાણી ભરાવાની, ખારી અથવા આલ્કલાઇન માટી ટાળો.	**मातीची आवश्यकता**	वालुकामय चिकणमाती ते चिकणमाती प्रकारची जमीन, उत्तम निचरा होणारी, सुपीक, आणि चांगल्या सेंद्रिय पदार्थांनी युक्त. आदर्श pH-श्रेणी: सुमारे ६.०-७.५. पाणथळ जागा, खारट किंवा अल्कधर्मी जमीन टाळावी.
Soil Testing	**માટી પરીક્ષણ**	EC, pH, OC અને મેક્રો-માઇક્રો પોષક તત્વો માટે ઓછામાં ઓછા દર 2-3 વર્ષે એક વાર માટી પરીક્ષણ કરો અને પરીક્ષણના પરિણામોના આધારે ખાતરો લાગુ કરો.	**माती परीक्षण**	दर २-३ वर्षांतून किमान एकदा EC, pH, OC आणि स्थूल-सूक्ष्म पोषक तत्वांसाठी माती परीक्षण करा आणि परीक्षणाच्या निकालांनुसार खते वापरा.
Climate Suitability	**આબોહવા યોગ્યતા**	આબોહવાની આવશ્યકતા ગલગોટા હળવા વાતાવરણમાં ખીલે છે - વૃદ્ધિ અને ફૂલો માટે ૧૮-૩૦ °સે શ્રેષ્ઠ તાપમાન. હિમ અને અતિશય ગરમી ફૂલોની ગુણવત્તા ઘટાડે છે. તેને સંપૂર્ણ સૂર્યપ્રકાશ અને મધ્યમ ભેજની જરૂર હોય છે.	**हवामान अनुकूलता**	हवामानाची आवश्यकता झेंडू सौम्य हवामानात उत्तम वाढतो — वाढ आणि फुलोऱ्यासाठी १८-३०°C तापमान सर्वोत्तम असते. दंव आणि तीव्र उष्णतेमुळे फुलांचा दर्जा कमी होतो. याला पूर्ण सूर्यप्रकाश आणि मध्यम आर्द्रता आवश्यक असते.
Land preparation	**જમીનની તૈયારી**	જમીનની તૈયારી જમીનને ૨-૩ વાર ખેડવી અને બારીક ખેડાણ સુધી હેરો કરો. અંતિમ ખેડાણ દરમિયાન ૮-૧૦ ટન એફવાયએમ/એકર ઉમેરો. પાણીના નિકાલ અને સરળતાથી આંતરખેતી માટે ઉંચા પથારી અથવા પટ્ટાઓ અને ચાસ તૈયાર કરો.	**जमिनीची तयारी**	जमिनीची तयारी जमीन २-३ वेळा नांगरा आणि बारीक भुसभुशीत होईपर्यंत कुळवा. शेवटच्या नांगरणीच्या वेळी प्रति एकर ८-१० टन शेणखत जमिनीत मिसळा. पाण्याचा निचरा होण्यासाठी आणि आंतरमशागत सोपी होण्यासाठी उंच वाफे किंवा सरी व बांध तयार करा.
Sowing Time	**વાવણી સમય**	વાવણીનો સમય / ઋતુ પ્રદેશ અને બજારની માંગ પ્રમાણે બદલાય છે: • વરસાદી પાક: જૂન-જુલાઈ. • શિયાળુ પાક: સપ્ટેમ્બર-ઓક્ટોબર. • ઉનાળો પાક: જાન્યુઆરી-ફેબ્રુઆરી.	**पेरणीची वेळ**	पेरणीची वेळ / हंगाम प्रदेश आणि बाजारपेठेतील मागणीनुसार बदलतो: • पावसाळी पीक: जून–जुलै. • हिवाळी पीक: सप्टेंबर–ऑक्टोबर. • उन्हाळी पीक: जानेवारी–फेब्रुवारी.
Seed rate & Spacing	**બીજ દર અને અંતર**	બીજ દર / વાવણી પદ્ધતિ / અંતર બીજ દર: ~૧૬૦–૨૦૦ ગ્રામ/એકર (૧ એકર રોપણી વિસ્તાર માટે). નર્સરી વાવણી: બીજ ઉંચા નર્સરી પથારીમાં (૧ મીટર × ૩ મીટર) વાવવામાં આવે છે. ૨૫–૩૦ દિવસના રોપાઓ ૧૦–૧૨ સે.મી. ઊંચાઈએ પહોંચે ત્યારે તેનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશન કરો. અંતર: ૪૫ × ૪૫ સે.મી. (આફ્રિકન મેરીગોલ્ડ) અને ૩૦ × ૩૦ સે.મી. (ફ્રેન્ચ મેરીગોલ્ડ).	**बियाणे दर आणि अंतर**	बियाणे दर / पेरणी पद्धत / अंतर बियाणे दर: ~१६०–२०० ग्रॅम/एकर (१ एकर पुनर्रोपण क्षेत्रासाठी). रोपवाटिकेतील पेरणी: बियाणे उंच केलेल्या रोपवाटिकेच्या वाफ्यांमध्ये (१ मी × ३ मी) पेरले जातात. २५-३० दिवसांनी, जेव्हा रोपे १०-१२ सेंमी उंचीची होतील, तेव्हा त्यांची पुनर्रोपण करा. अंतर: ४५ × ४५ सेंमी (आफ्रिकन झेंडू) आणि ३० × ३० सेंमी (फ्रेंच झेंडू).
Seed Treatment	**બીજ માવજત**	બીજ માવજત / ફૂગનાશક બીજને કાર્બેન્ડાઝીમ અથવા થિરામ @ 2 ગ્રામ/કિલો બીજ સાથે માવજત કરો જેથી ભીનાશ અને બીજજન્ય રોગોથી બચી શકાય.	**बियाणे प्रक्रिया**	बीज प्रक्रिया / बुरशीनाशक रोपे मरगळ आणि बीजजन्य रोगांना प्रतिबंध करण्यासाठी बियाण्यांवर कार्बेन्डाझिम किंवा थिरमची २ ग्रॅम/किलो बियाणे या प्रमाणात प्रक्रिया करा.
Weed Management	**નીંદણ વ્યવસ્થાપન**	નીંદણ નિયંત્રણ રોપણી પછી શરૂઆતના 40 દિવસ દરમિયાન ખેતરને નીંદણમુક્ત રાખો. 20 દિવસે પહેલું નિંદામણ, 40 દિવસે બીજું રોપણી પછી. સૂકા ઘાસ અથવા કાળા પ્લાસ્ટિકથી મલ્ચિંગ કરવાથી નીંદણ નિયંત્રણમાં આવે છે અને જમીનમાં ભેજ જળવાઈ રહે છે.	**तण व्यवस्थापन**	तण नियंत्रण रोपण केल्यानंतर सुरुवातीचे ४० दिवस शेत तणमुक्त ठेवा. पहिले तण काढणे २० दिवसांनी, तर दुसरे ४० दिवसांनी करावे. सुक्या गवताचे किंवा काळ्या प्लास्टिकचे आच्छादन केल्याने तण नियंत्रणात राहण्यास आणि जमिनीतील ओलावा टिकवून ठेवण्यास मदत होते.
Fertilizer Management	**ખાતર વ્યવસ્થાપન**	ખાતર અને પોષક તત્વોનું સંચાલન (પ્રતિ એકર) જૈવિક ખાતર: રોપણી પહેલાં 8-10 ટન એફવાયએમ/એકર. રાસાયણિક ખાતરો: • યુરિયા – 65 કિલો (≈ 30 કિલો નાઇટ્રોજન) SSP – 150 કિલો (≈ 24 કિલો ફોસ્ફરસ ઓ₅) • એમઓપી – 50 કિલો (≈ 30 કિલો કોસ્ફરસ ઓ₂) અરજી સમયપત્રક: રોપણી પછી 30-35 દિવસ પછી સંપૂર્ણ ફોસ્ફરસ અને ½ નાઇટ્રોજન બેઝલ તરીકે આપો; બાકી રહેલ ½ નાઇટ્રોજન.	**खत व्यवस्थापन**	खत आणि पोषक तत्वांचे व्यवस्थापन (प्रति एकर) सेंद्रिय खत: रोपण करण्यापूर्वी ८-१० टन शेणखत/एकर. रासायनिक खते: • युरिया – ६५ किलो (≈ ३० किलो नायट्रोजन) • एसएसपी – १५० किलो (≈ २४ किलो फॉस्फोरस ऑक्साईड) • एमओपी – ५० किलो (≈ ३० किलो पोटॅशियम ऑक्साईड) खत देण्याचे वेळापत्रक: संपूर्ण फॉस्फोरस आणि पोटॅशियम आणि अर्धे नायट्रोजन जमिनीत (बेसल) द्यावे; उर्वरित अर्धे नायट्रोजन रोपणानंतर ३०-३५ दिवसांनी द्यावे.
Irrigation Management	**સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન**	સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન રોપણી પછી તરત જ હળવું સિંચાઈ આપો. ઉનાળામાં દર 5-6 દિવસે અને શિયાળામાં 8-10 દિવસે અનુગામી સિંચાઈ આપો. વધુ પડતું પાણી આપવાનું ટાળો, જેનાથી મૂળનો સડો થાય છે અને ફૂલો ઓછા થાય છે.	**सिंचन व्यवस्थापन**	सिंचन व्यवस्थापन रोपे लावल्यानंतर लगेच हलके पाणी द्या. त्यानंतर उन्हाळ्यात दर ५-६ दिवसांनी आणि हिवाळ्यात ८-१० दिवसांनी पाणी द्या. जास्त पाणी देणे टाळा, कारण त्यामुळे मुळे सडतात आणि फुले नीट येत नाहीत.
Pest Management	**જીવાત વ્યવસ્થાપન**	જીવાત વ્યવસ્થાપન ૧. મોલો મશી અને થ્રિપ્સ: ઇમિડાક્લોપ્રિડ @ 0.3 મિલી/લિટર અથવા લીમડાનું તેલ @ 3% ના દરે છંટકાવ કરો. ૨. પાન ખાણિયા: ડાયમેથોએટ 30 ઇસી @ ૨ મિલી/લિટર છંટકાવ કરો. ૩. લાલ જીવાત / ઈયળ: સ્પિનોસેડ @ 0.3 મિલી/લિટર છંટકાવ કરો.	**कीड व्यवस्थापन**	कीड व्यवस्थापन १. मावा व थ्रिप्स: इमिडाक्लोप्रिड @ ०.३ मिली/लिटर किंवा कडुलिंबाचे तेल @ 3% फवारा. २. पान पोखरणारी अळी: डायमेथोएट ३० ईसी @ २ मिली/लिटर फवारा. ३. लाल कोळी / अळ्या: स्पिनोसाद @ ०.३ मिली/लिटर फवारा.
Disease Management	**રોગ વ્યવસ્થાપન**	રોગ વ્યવસ્થાપન ૧. ભીનાશ દૂર કરવી: વાવણી પહેલાં નર્સરીની માટીને કેપ્ટન 0.3% થી માવજત કરવી. ૨. પાનના ટપકાં / સુકારો: મેન્કોઝેબ 0.૨૫% અથવા કોપર ઓક્સીક્લોરાઇડ 0.3% નો છંટકાવ કરવો. ૩. પાવડરી માઇલ્ડ્યુ: ભીનાશ પડતા સલ્ફર ૨ ગ્રામ/લિટર ૧૦-૧૫ દિવસના અંતરાલ પર નાખો.	**रोग व्यवस्थापन**	रोग व्यवस्थापन १. रोपे कोमेजणे: पेरणीपूर्वी रोपवाटिकेतील मातीवर कॅप्टन ०.३% ची प्रक्रिया करा. २. पानांवरील ठिपके / करपा: मॅन्कोझेब ०.२५% किंवा कॉपर ऑक्सीक्लोराईड ०.३% ची फवारणी करा. ३. भुरी: १०-१५ दिवसांच्या अंतराने २ ग्रॅम/लिटर या प्रमाणात ओलावा देणारा गंधक (वेटेबल सल्फर) द्या.
Harvesting & Yield	**લણણી અને ઉપજ**	લણણી / ઉપજ રોપણી પછી 60-70 દિવસમાં (ફ્રેન્ચ) અને 75-90 દિવસમાં (આફ્રિકન) ફૂલો તૈયાર થાય છે. જ્યારે ફૂલો સંપૂર્ણપણે ખુલી જાય પરંતુ ઝાંખા પડે તે પહેલાં કાપણી કરો. સરેરાશ ઉપજ: 80-100 ક્વિન્ટલ/એકર (વિવિધતા અને ઋતુ પર આધાર રાખીને).	**कापणी आणि उत्पन्न**	काढणी / उत्पन्न रोपणानंतर ६०-७० दिवसांत (फ्रेंच) आणि ७५-९० दिवसांत (आफ्रिकन) फुले तयार होतात. फुले पूर्णपणे उमलल्यावर, पण कोमेजण्यापूर्वी काढणी करावी. सरासरी उत्पन्न: ८०-१०० क्विंटल/एकर (वाण आणि हंगामावर अवलंबून).
Post-Harvest Management & Storage	**લણણી પછીનું સંચાલન અને સંગ્રહ**	લણણી પછીની સંભાળ દરરોજ વહેલી સવારે ફૂલો ચૂંટો, ભીના ફૂલોને સ્પર્શ કરવાનું ટાળો. કદ અને રંગ પ્રમાણે ગ્રેડ કરો, અને વાંસની ટોપલીઓમાં અથવા કાગળથી ઢંકાયેલા વેન્ટિલેટેડ ક્રેટ્સમાં પેક કરો. લાંબા સમય સુધી સંગ્રહ માટે, 8-10 °C અને 90% RH તાપમાને સંગ્રહ કરો.	**कापणीनंतरचे व्यवस्थापन आणि साठवणूक**	काढणीनंतरची हाताळणी रोज सकाळी लवकर फुले तोडा, ओली फुले हाताळणे टाळा. आकार आणि रंगानुसार प्रतवारी करा आणि बांबूच्या टोपल्यांमध्ये किंवा कागद लावलेल्या हवेशीर पेट्यांमध्ये भरा. जास्त काळ टिकवण्यासाठी, ८-१०°C आणि ९०% सापेक्ष आर्द्रतेमध्ये साठवा.
Disclaimer	**અસ્વીકરણ**	આ ભલામણો SAU, સરકારી એજન્સીઓ અને ટ્રાયલ સેન્ટરો પર આધારિત છે. વાસ્તવિક પરિણામો જમીનના પ્રકાર, આબોહવા, વિવિધતા અને પાક વ્યવસ્થાપન પદ્ધતિઓના આધારે બદલાઈ શકે છે.	**अस्वीकरण**	या शिफारसी एसएयू, सरकारी संस्था आणि चाचणी केंद्रांवर आधारित आहेत. प्रत्यक्ष परिणाम मातीचा प्रकार, हवामान, वाण आणि पीक व्यवस्थापन पद्धतींनुसार भिन्न असू शकतात.
		પિંચિંગ / તાલીમ રોપણી પછી લગભગ 20 દિવસ પછી ટર્મિનલ ડાળીને કાપી નાખો જેથી ડાળીઓ અને વધુ ફૂલો આવે.		खुडणे / आकार देणे रोप लावल्यानंतर सुमारे २० दिवसांनी शेंड्याची फांदी खुडा, जेणेकरून फांद्या फुटण्यास आणि अधिक फुले येण्यास प्रोत्साहन मिळेल.

PRACTICES	நடைமுறைகள்	கலப்பின சாமந்தி (சீமன்ஸ் கேசரிய)
Field Sanitation	**களை சுகாதாரம்**	விதைப்பதற்கு முன், முந்தைய பயிர்களின் எச்சங்கள், களைகள், பழைய கொடிகள் மற்றும் நோய் தாக்கிய/சேதமடைந்த தாவரப் பொருட்களை அகற்றவும். பூச்சி மற்றும் நோய் பரவுவதைக் குறைக்க, வயலின் வரப்புகளைச் சுத்தமாகப் பராமரிக்கவும்.
Soil requirement	**மண் தேவை**	மணல் கலந்த வண்டல் மண் முதல் வண்டல் மண் வரை, நல்ல வடிகால் வசதியுள்ள, வளமான, சிறந்த கரிமப் பொருள் கொண்ட மண். உகந்த pH அளவு: சுமார் 6.0-7.5. நீர் தேங்குதல், உவர்ப்பு அல்லது காரத்தன்மை கொண்ட மண்ணைத் தவிர்க்கவும்.
Soil Testing	**மண் பரிசோதனை**	EC, pH, OC மற்றும் பேரூட்டச்சத்துக்கள், நுண்ணூட்டச்சத்துக்கள் ஆகியவற்றுக்காக, குறைந்தது 2-3 ஆண்டுகளுக்கு ஒருமுறை மண் பரிசோதனை செய்து, பரிசோதனை முடிவுகளின் அடிப்படையில் உரமிடவும்.
Climate Suitability	**காலநிலை பொருத்தம்**	காலநிலைத் தேவை சாமந்திப்பூ மிதமான காலநிலையில் செழித்து வளரும் — வளர்ச்சிக்கும் பூப்பதற்கும் 18–30 °C உகந்தது. பனி உறைவும் அதிக வெப்பமும் பூவின் தரத்தைக் குறைக்கும். முழுமையான சூரிய ஒளியும் மிதமான ஈரப்பதமும் தேவை.
Land preparation	**நிலப் பரப்பு**	நிலம் தயாரித்தல் நிலத்தை 2–3 முறை உழுது, பரம்படித்து நல்ல பதத்திற்கு கொண்டு வரவும். இறுதி உழவின் போது ஏக்கருக்கு 8–10 டன் தொழு உரத்தை மண்ணில் கலக்கவும். வடிகால் மற்றும் எளிதான ஊடுபயிர் சாகுபடிக்காக மேட்டுப் பாத்திகள் அல்லது வரப்புகள் மற்றும் வாய்க்கால்களைத் தயார் செய்யவும்.
Sowing Time	**விதைப்பு நேரம்**	விதைக்கும் நேரம் / பருவம் பகுதி மற்றும் சந்தைத் தேவையைப் பொறுத்து மாறுபடும்: • மழைக்காலப் பயிர்: ஜூன்–ஜூலை. • குளிர்காலப் பயிர்: செப்டம்பர்–அக்டோபர். • கோடைக்காலப் பயிர்: ஜனவரி–பிப்ரவரி.
Seed rate & Spacing	**விதை விகிதம் மற்றும் இடைவெளி**	விதை அளவு / விதைப்பு முறை / இடைவெளி விதை அளவு: ஏக்கருக்கு சுமார் 160–200 கிராம் (1 ஏக்கர் நடவுப் பகுதிக்கு). நாற்றங்கால் விதைப்பு: உயர்த்தப்பட்ட நாற்றங்கால் பாத்திகளில் (1 மீ × 3 மீ) விதைகள் விதைக்கப்படுகின்றன. நாற்றுகள் 10–12 செ.மீ உயரம் வளர்ந்ததும், 25–30 நாட்களில் நடவு செய்யவும். இடைவெளி: 45 × 45 செ.மீ (ஆப்பிரிக்க சாமந்தி) மற்றும் 30 × 30 செ.மீ (பிரெஞ்சு சாமந்தி).
Seed Treatment	**விதை சிகிச்சை**	விதை நேர்த்தி / பூஞ்சைக்கொல்லி நாற்றழுகல் மற்றும் விதைவழி நோய்களைத் தடுக்க, ஒரு கிலோ விதைக்கு 2 கிராம் என்ற அளவில் கார்பென்டாசிம் அல்லது தீராம் கொண்டு விதைகளுக்கு நேர்த்தி செய்யவும்.
Weed Management	**களை மேலாண்மை**	களைக் கட்டுப்பாடு நாற்று நட்ட பிறகு முதல் 40 நாட்களுக்கு வயலைக் களைகள் இல்லாமல் வைத்திருக்கவும். முதல் களை நீக்கம் 20 நாட்களிலும், இரண்டாவது களை நீக்கம் 40 நாட்களிலும் செய்யப்பட வேண்டும். உலர்ந்த புல் அல்லது கருப்பு பிளாஸ்டிக் கொண்டு மூடாக்கு இடுவது, களைகளைக் கட்டுப்படுத்தவும் மண்ணின் ஈரப்பதத்தைப் பாதுகாக்கவும் உதவுகிறது.
Fertilizer Management	**உர மேலாண்மை**	உரம் மற்றும் ஊட்டச்சத்து மேலாண்மை (ஒரு ஏக்கருக்கு) இயற்கை உரம்: நாற்று நடுவதற்கு முன் ஏக்கருக்கு 8–10 டன் தொழு உரம். இரசாயன உரங்கள்: • யூரியா – 65 கிலோ (≈ 30 கிலோ நைட்ரஜன்) • எஸ்.எஸ்.பி – 150 கிலோ (≈ 24 கிலோ பாஸ்பரஸ் ஆக்சைடு) • எம்.ஓ.பி – 50 கிலோ (≈ 30 கிலோ பொட்டாசியம் ஆக்சைடு) பயன்படுத்தும் அட்டவணை: முழு பாஸ்பரஸ், பொட்டாசியம் மற்றும் பாதி நைட்ரஜனை அடியுரமாக இடவும்; மீதமுள்ள பாதி நைட்ரஜனை நாற்று நட்ட 30–35 நாட்களுக்குப் பிறகு இடவும்.
Irrigation Management	**நீர்ப்பாசன மேலாண்மை**	நீர்ப்பாசன மேலாண்மை நாற்று நட்ட உடனேயே இலேசான நீர்ப்பாசனம் செய்யவும். அதைத் தொடர்ந்து, கோடை காலத்தில் 5-6 நாட்களுக்கு ஒரு முறையும், குளிர்காலத்தில் 8-10 நாட்களுக்கு ஒரு முறையும் நீர்ப்பாசனம் செய்யவும். அதிகப்படியான நீர் பாய்ச்சுவதைத் தவிர்க்கவும், ஏனெனில் அது வேர் அழுகல் மற்றும் பூக்கள் குறைவாகப் பூப்பதற்குக் காரணமாகும்.
Pest Management	**பூச்சி மேலாண்மை**	பூச்சி மேலாண்மை 1. அசுவினி மற்றும் திரிப்ஸ்: இமிடாக்ளோபிரிட் மருந்தை 0.3 மி.லி/லி என்ற அளவில் அல்லது வேப்ப எண்ணெய் மருந்தை 3% என்ற அளவில் தெளிக்கவும். 2. இலைப்புழு: டைமெத்தோயேட் 30 EC மருந்தை 2 மி.லி/லி என்ற அளவில் தெளிக்கவும். 3. சிவப்பு சிலந்திப்பூச்சி / கம்பளிப்புழுக்கள்: ஸ்பினோசாட் மருந்தை 0.3 மி.லி/லி என்ற அளவில் தெளிக்கவும்.
Disease Management	**நோய் மேலாண்மை**	நோய் மேலாண்மை 1. நாற்றழுகல்: விதைப்பதற்கு முன் நாற்றங்கால் மண்ணில் கேப்டன் 0.3% மருந்தைக் கொண்டு சிகிச்சை அளிக்கவும். 2. இலைப்புள்ளி / வாடல் நோய்: மான்கோசெப் 0.25% அல்லது காப்பர் ஆக்ஸிகுளோரைடு 0.3% மருந்தைத் தெளிக்கவும். 3. தூள் பூஞ்சணம்: 10–15 நாட்கள் இடைவெளியில், ஒரு லிட்டருக்கு 2 கிராம் என்ற அளவில் ஈரமாக்கக்கூடிய கந்தகத்தைப் பயன்படுத்தவும்.
Harvesting & Yield	**அறுவடை மற்றும் மகசூல்**	அறுவடை / மகசூல் நடவு செய்த பிறகு, பிரெஞ்சு ரகத்தில் 60–70 நாட்களிலும், ஆப்பிரிக்க ரகத்தில் 75–90 நாட்களிலும் பூக்கள் அறுவடைக்குத் தயாராகிவிடும். பூக்கள் முழுமையாக மலர்ந்திருக்கும்போதும், ஆனால் வாடுவதற்கு முன்பும் அறுவடை செய்யவும். சராசரி மகசூல்: ஏக்கருக்கு 80–100 குவிண்டால் (ரகம் மற்றும் பருவத்தைப் பொறுத்து).
Post-Harvest Management & Storage	**அறுவடைக்குப் பிந்தைய மேலாண்மை மற்றும் சேமிப்பு**	அறுவடைக்குப் பிந்தைய கையாளுதல் தினமும் அதிகாலையில் பூக்களைப் பறிக்கவும், ஈரமான பூக்களைக் கையாள்வதைத் தவிர்க்கவும். அளவு மற்றும் நிறத்தின் அடிப்படையில் தரம் பிரித்து, மூங்கில் கூடைகளிலோ அல்லது காகிதம் விரிக்கப்பட்ட காற்றோட்டமுள்ள மரப்பெட்டிகளிலோ பொதியவும். நீண்ட காலம் கெடாமல் வைத்திருக்க, 8–10 °C வெப்பநிலையிலும் 90% ஈரப்பதத்திலும் சேமிக்கவும்.
Disclaimer	**மறுப்பு**	இந்தப் பரிந்துரைகள் சிறப்புப் பயன்பாட்டு அலகுகள் (SAU-கள்), அரசு நிறுவனங்கள் மற்றும் சோதனை மையங்களின் அடிப்படையில் அமைந்துள்ளன. உண்மையான முடிவுகள் மண் வகை, காலநிலை, பயிர் இரகம் மற்றும் பயிர் மேலாண்மை நடைமுறைகளைப் பொறுத்து மாறுபடலாம்.
		நுனி கிள்ளுதல் / பயிற்சி அளித்தல் கிளைகள் வளர்வதையும் அதிக பூக்கள் பூப்பதையும் ஊக்குவிப்பதற்காக, நாற்று நட்ட சுமார் 20 நாட்களுக்குப் பிறகு நுனித் தண்டை கிள்ளி எடுக்கவும்.

PRACTICES	అభ్యాసాలు	సంకర బంతి (సీమన్స్ కేసరియా)	ಅಭ್ಯಾಸಗಳು	ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಮ್ಯಾರಿಗೋಲ್ಡ್ (ಸೀಮನ್ಸ್ ಕೇಶರಿಯಾ)
Field Sanitation	**క్షేత్ర పారిశుధ్యం**	విత్తనాలు నాటే ముందు గత పంటల అవశేషాలు, కలుపు మొక్కలు, పాత తీగలు మరియు వ్యాధి సోకిన/దెబ్బతిన్న మొక్కలను తొలగించండి. తెగుళ్లు మరియు వ్యాధులు వ్యాపించకుండా ఉండేందుకు పొలం సరిహద్దులను శుభ్రంగా ఉంచండి.	**ಕ್ಷೇತ್ರ ನೈರ್ಮಲ್ಯ**	ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಹಿಂದಿನ ಬೆಳೆಗಳ ಅವಶೇಷಗಳು, ಕಳೆಗಳು, ಹಳೆಯ ಬಳ್ಳಿಗಳು ಮತ್ತು ರೋಗಪೀಡಿತ/ಹಾನಿಗೊಳಗಾದ ಸಸ್ಯ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿ. ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ಹರಡುವಿಕೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಹೊಲದ ಗಡಿಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛವಾಗಿಡಿ.
Soil requirement	**నేల అవసరం**	ఇసుకతో కూడిన బంకమట్టి నేల, నీరు నిలవని, సారవంతమైన, మంచి సేంద్రియ పదార్థం ఉన్న నేల. అనువైన pH పరిధి: సుమారు 6.0-7.5. నీరు నిలవని, ఉప్పు లేదా క్షార నేలలను నివారించండి.	**ಮಣ್ಣಿನ ಅವಶ್ಯಕತೆ**	ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಲೋಮ್ ನಿಂದ ಲೋಮ್ ಮಣ್ಣು, ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವ, ಫಲವತ್ತಾದ, ಉತ್ತಮ ಸಾವಯವ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿರುವ. ಸೂಕ್ತ pH ಶ್ರೇಣಿ: ಸುಮಾರು 6.0-7.5. ನೀರು ನಿಲ್ಲುವ, ಲವಣಯುಕ್ತ ಅಥವಾ ಕ್ಷಾರೀಯ ಮಣ್ಣನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.
Soil Testing	**నేల పరీక్ష**	EC, pH, OC మరియు స్థూల-సూక్ష్మ పోషకాల కోసం ప్రతి 2–3 సంవత్సరాలకు కనీసం ఒకసారి నేల పరీక్షలు నిర్వహించి, పరీక్ష ఫలితాల ఆధారంగా ఎరువులను వేయండి.	**ಮಣ್ಣು ಪರೀಕ್ಷೆ**	EC, pH, OC ಮತ್ತು ಮ್ಯಾಕ್ರೋ-ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳಿಗಾಗಿ ಕನಿಷ್ಠ 2-3 ವರ್ಷಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಮಣ್ಣಿನ ಪರೀಕ್ಷೆಯನ್ನು ನಡೆಸಿ, ಮತ್ತು ಪರೀಕ್ಷಾ ಫಲಿತಾಂಶಗಳ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ.
Climate Suitability	**వాతావరణ అనుకూలత**	వాతావరణ అవసరాలు బంతి పువ్వు తేలికపాటి వాతావరణంలో బాగా పెరుగుతుంది — పెరుగుదలకు మరియు పూయడానికి 18–30 °C ఉష్ణోగ్రత అనువైనది. మంచు మరియు తీవ్రమైన వేడి పువ్వుల నాణ్యతను తగ్గిస్తాయి. పూర్తి సూర్యరశ్మి మరియు మితమైన తేమ అవసరం.	**ಹವಾಮಾನ ಸೂಕ್ತತೆ**	ಹವಾಮಾನದ ಅವಶ್ಯಕತೆ ಮಾರಿಗೋಲ್ಡ್ ಸೌಮ್ಯ ವಾತಾವರಣದಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ - ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಹೂಬಿಡುವಿಕೆಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ತಾಪಮಾನ 18–30 °C. ಹಿಮ ಮತ್ತು ತೀವ್ರ ಶಾಖವು ಹೂವಿನ ಗುಣಮಟ್ಟವನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡುತ್ತದೆ. ಪೂರ್ಣ ಸೂರ್ಯನ ಬೆಳಕು ಮತ್ತು ಮಧ್ಯಮ ಆರ್ದ್ರತೆಯ ಅಗತ್ಯವಿದೆ.
Land preparation	**భూమి తయారీ**	భూమిని సిద్ధం చేయడం భూమిని 2–3 సార్లు దున్ని, మెత్తటి దుక్కి కోసం చదును చేయండి. చివరిసారి దున్నే సమయంలో ఎకరానికి 8–10 టన్నుల పశువుల ఎరువును భూమిలో కలపండి. నీరు ఇంకిపోవడానికి మరియు సులభంగా అంతరపంటలు వేయడానికి వీలుగా ఎత్తైన మడులు లేదా గట్లు మరియు కాలువలను సిద్ధం చేయండి.	**ಭೂಮಿ ತಯಾರಿಕೆ**	ಭೂಮಿ ಸಿದ್ಧತೆ ಭೂಮಿಯನ್ನು 2-3 ಬಾರಿ ಉಳುಮೆ ಮಾಡಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಉಳುಮೆ ಮಾಡಿ. ಅಂತಿಮ ಉಳುಮೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಎಕರೆಗೆ 8-10 ಟನ್ ಗೊಬ್ಬರ ಹಾಕಿ. ಒಳಚರಂಡಿ ಮತ್ತು ಸುಲಭವಾದ ಅಂತರ್ ಕೃಷಿಗಾಗಿ ಎತ್ತರಿಸಿದ ಹಾಸಿಗೆಗಳು ಅಥವಾ ರೇಖೆಗಳು ಮತ್ತು ತೋಡುಗಳನ್ನು ತಯಾರಿಸಿ.
Sowing Time	**విత్తే సమయం**	విత్తే సమయం / కాలం ప్రాంతం మరియు మార్కెట్ డిమాండ్‌ను బట్టి మారుతుంది: • వర్షాకాలపు పంట: జూన్–జూలై. • శీతాకాలపు పంట: సెప్టెంబర్–అక్టోబర్. • వేసవికాలపు పంట: జనవరి–ఫిబ్రవరి.	**ಬಿತ್ತನೆ ಸಮಯ**	ಬಿತ್ತನೆ ಸಮಯ / ಋತುಮಾನ ಪ್ರದೇಶ ಮತ್ತು ಮಾರುಕಟ್ಟೆ ಬೇಡಿಕೆಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಬದಲಾಗುತ್ತದೆ: • ಮಳೆಗಾಲದ ಬೆಳೆ: ಜೂನ್–ಜುಲೈ. • ಚಳಿಗಾಲದ ಬೆಳೆ: ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್–ಅಕ್ಟೋಬರ್. • ಬೇಸಿಗೆ ಬೆಳೆ: ಜನವರಿ–ಫೆಬ್ರವರಿ.
Seed rate & Spacing	**విత్తన రేటు మరియు అంతరం**	విత్తన మోతాదు / విత్తే పద్ధతి / అంతరం విత్తన మోతాదు: ఎకరానికి సుమారు 160–200 గ్రాములు (1 ఎకరం నాట్లు వేసే విస్తీర్ణానికి). నారుమడిలో విత్తడం: విత్తనాలను ఎత్తైన నారుమడులలో (1 మీ × 3 మీ) విత్తాలి. నారు మొక్కలు 10–12 సెం.మీ ఎత్తుకు పెరిగినప్పుడు, 25–30 రోజుల వయస్సులో వాటిని నాటాలి. అంతరం: 45 × 45 సెం.మీ (ఆఫ్రికన్ బంతి) మరియు 30 × 30 సెం.మీ (ఫ్రెంచ్ బంతి).	**ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಅಂತರ**	ಬೀಜ ದರ / ಬಿತ್ತನೆ ವಿಧಾನ / ಅಂತರ ಬೀಜ ದರ: ~160–200 ಗ್ರಾಂ/ಎಕರೆ (1 ಎಕರೆ ನಾಟಿ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ). ನರ್ಸರಿ ಬಿತ್ತನೆ: ಬೀಜಗಳನ್ನು ಎತ್ತರದ ನರ್ಸರಿ ಹಾಸಿಗೆಗಳಲ್ಲಿ (1 ಮೀ × 3 ಮೀ) ಬಿತ್ತಲಾಗುತ್ತದೆ. 25–30 ದಿನಗಳ ವಯಸ್ಸಿನಲ್ಲಿ ಸಸಿಗಳು 10–12 ಸೆಂ.ಮೀ ಎತ್ತರವನ್ನು ತಲುಪಿದಾಗ ಅವುಗಳನ್ನು ಕಸಿ ಮಾಡಿ. ಅಂತರ: 45 × 45 ಸೆಂ.ಮೀ (ಆಫ್ರಿಕನ್ ಮಾರಿಗೋಲ್ಡ್) ಮತ್ತು 30 × 30 ಸೆಂ.ಮೀ (ಫ್ರೆಂಚ್ ಮಾರಿಗೋಲ್ಡ್).
Seed Treatment	**విత్తన శుద్ధి**	విత్తన శుద్ధి / శిలీంద్రనాశకం మొక్కలు కుళ్ళిపోవడాన్ని మరియు విత్తనాల ద్వారా సంక్రమించే వ్యాధులను నివారించడానికి, విత్తనాలకు కిలో విత్తనానికి 2 గ్రాముల చొప్పున కార్బెండజిమ్ లేదా థిరామ్‌తో శుద్ధి చేయండి.	**ಬೀಜೋಪಚಾರ**	ಬೀಜೋಪಚಾರ/ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕ ಬೀಜಗಳಿಂದ ಹರಡುವ ರೋಗಗಳು ಮತ್ತು ಬೀಜೋಪಚಾರವನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಲು ಪ್ರತಿ ಕೆಜಿ ಬೀಜಕ್ಕೆ 2 ಗ್ರಾಂ ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ ಅಥವಾ ಥಿರಾಮ್‌ನೊಂದಿಗೆ ಬೀಜೋಪಚಾರ ಮಾಡಿ.
Weed Management	**కలుపు నిర్వహణ**	కలుపు నియంత్రణ నాట్లు వేసిన తర్వాత మొదటి 40 రోజుల పాటు పొలంలో కలుపు లేకుండా చూసుకోండి. మొదటిసారి 20 రోజులకు, రెండవసారి 40 రోజులకు కలుపు తీయాలి. ఎండు గడ్డి లేదా నల్ల ప్లాస్టిక్‌తో మల్చింగ్ చేయడం కలుపును నియంత్రించడంలో మరియు నేలలో తేమను కాపాడటంలో సహాయపడుతుంది.	**ಕಳೆ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ಕಳೆ ನಿಯಂತ್ರಣ ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ಮೊದಲ 40 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಹೊಲವನ್ನು ಕಳೆ ಮುಕ್ತವಾಗಿಡಿ. 20 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಮೊದಲ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು, ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ 40 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಎರಡನೆಯ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು. ಒಣ ಹುಲ್ಲು ಅಥವಾ ಕಪ್ಪು ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ್‌ನಿಂದ ಮಲ್ಚಿಂಗ್ ಮಾಡುವುದರಿಂದ ಕಳೆಗಳನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಮತ್ತು ಮಣ್ಣಿನ ತೇವಾಂಶವನ್ನು ಸಂರಕ್ಷಿಸಲು ಸಹಾಯ ಮಾಡುತ್ತದೆ.
Fertilizer Management	**ఎరువుల నిర్వహణ**	ఎరువులు & పోషకాల నిర్వహణ (ఎకరానికి) సేంద్రియ ఎరువు: నాట్లు వేయడానికి ముందు ఎకరానికి 8–10 టన్నుల పశువుల ఎరువు. రసాయన ఎరువులు: • యూరియా – 65 కిలోలు (≈ 30 కిలోల నత్రజని) • ఎస్.ఎస్.పి. – 150 కిలోలు (≈ 24 కిలోల భాస్వరం) • ఎం.ఓ.పి. – 50 కిలోలు (≈ 30 కిలోల పొటాషియం ఆక్సైడ్) వాడే విధానం: పూర్తి భాస్వరం, పొటాషియం మరియు ½ నత్రజనిని మొదటగా వేయాలి; మిగిలిన ½ నత్రజనిని నాట్లు వేసిన 30–35 రోజుల తర్వాత వేయాలి.	**ರಸಗೊಬ್ಬರ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ರಸಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ಪೋಷಕಾಂಶ ನಿರ್ವಹಣೆ (ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ) ಸಾವಯವ ಗೊಬ್ಬರ: ನಾಟಿ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಎಕರೆಗೆ 8–10 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ. ರಾಸಾಯನಿಕ ಗೊಬ್ಬರಗಳು: • ಯೂರಿಯಾ - 65 ಕೆಜಿ (≈ 30 ಕೆಜಿ ಸಾರಜನಕ) SSP - 150 ಕೆಜಿ (≈ 24 ಕೆಜಿ P_2O_5) MOP - 50 ಕೆಜಿ (≈ 30 ಕೆಜಿ K_2O) ಅನ್ವಯಿಕ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ: ಪೂರ್ಣ ಪೋ & ಪೊ ಮತ್ತು ½ ಸಾರಜನಕವನ್ನು ಮೂಲ ಗೊಬ್ಬರವಾಗಿ ಅನ್ವಯಿಸಿ; ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ 30–35 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಉಳಿದ ½ ಸಾರಜನಕವನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ.
Irrigation Management	**నీటిపారుదల నిర్వహణ**	నీటిపారుదల నిర్వహణ నాట్లు వేసిన వెంటనే తేలికపాటి నీటిని అందించండి. తరువాత వేసవిలో ప్రతి 5–6 రోజులకు, శీతాకాలంలో 8–10 రోజులకు నీటిని అందించాలి. అధికంగా నీరు పెట్టడం మానుకోండి, దీనివల్ల వేరు కుళ్ళు మరియు పూలు సరిగా పూయకపోవడం జరుగుతుంది.	**ನೀರಾವರಿ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ನೀರಾವರಿ ನಿರ್ವಹಣೆ ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ತಕ್ಷಣ ಲಘು ನೀರಾವರಿ ಒದಗಿಸಿ. ಬೇಸಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ 5–6 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಮತ್ತು ಚಳಿಗಾಲದಲ್ಲಿ 8–10 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಬೇರು ಕೊಳೆತ ಮತ್ತು ಕಳಪೆ ಹೂಬಿಡುವಿಕೆಗೆ ಕಾರಣವಾಗುವ ಅತಿಯಾದ ನೀರುಹಾಕುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.
Pest Management	**తెగుళ్ల నిర్వహణ**	తెగుళ్ల నివారణ 1. పేనుబంక మరియు త్రిప్స్: ఇమిడాక్లోప్రిడ్ @ 0.3 మి.లీ/లీ లేదా వేప నూనె @ 3% పిచికారీ చేయండి. 2. ఆకు గనుల పురుగు: డైమిథోయేట్ 30 EC @ 2 మి.లీ/లీ పిచికారీ చేయండి. 3. ఎర్ర నల్లి / గొంగళి పురుగులు: స్పినోసాడ్ @ 0.3 మి.లీ/లీ పిచికారీ చేయండి.	**ಕೀಟ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ಕೀಟ ನಿರ್ವಹಣೆ 1. ಗಿಡಹೇನುಗಳು ಮತ್ತು ಥ್ರಿಪ್ಸ್: ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ @ 0.3 ಮಿಲಿ/ಲೀ ಅಥವಾ ಬೇವಿನ ಎಣ್ಣೆ @ 3% ಸಿಂಪಡಿಸಿ. 2. ಎಲೆ ಕೊರೆಯುವ ಕೀಟ: ಡೈಮೆಥೋಯೇಟ್ 30 ಇಸಿ @ 2 ಮಿಲಿ/ಲೀ ಸಿಂಪಡಿಸಿ. 3. ಕೆಂಪು ಮಿಟೆ / ಮರಿಹುಳುಗಳು: ಸ್ಪಿನೋಸಾಡ್ @ 0.3 ಮಿಲಿ/ಲೀ ಸಿಂಪಡಿಸಿ.
Disease Management	**వ్యాధి నిర్వహణ**	వ్యాధుల నివారణ 1. నారుమట్టి తెగులు: విత్తనాలు నాటడానికి ముందు నారుమడి మట్టికి 0.3% క్యాప్టాన్‌ను వాడండి. 2. ఆకుమచ్చ తెగులు / ఎండు తెగులు: 0.25% మాంకోజెబ్ లేదా 0.3% కాపర్ ఆక్సీక్లోరైడ్‌ను పిచికారీ చేయండి. 3. బూడిద తెగులు: ప్రతి 10–15 రోజులకు ఒకసారి లీటరుకు 2 గ్రాముల చొప్పున వెట్టబుల్ సల్ఫర్‌ను వాడండి.	**ರೋಗ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ರೋಗ ನಿರ್ವಹಣೆ 1. ಡ್ಯಾಂಪಿಂಗ್-ಆಫ್: ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ನರ್ಸರಿ ಮಣ್ಣನ್ನು ಕ್ಯಾಪ್ಟನ್ 0.3% ನೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಿ. 2. ಎಲೆ ಚುಕ್ಕೆ / ಕೊಳೆತ: ಮ್ಯಾಂಕೋಜೆಬ್ 0.25% ಅಥವಾ ತಾಮ್ರ ಆಕ್ಸಿಕ್ಲೋರೈಡ್ 0.3% ಸಿಂಪಡಿಸಿ. 3. ಪುಡಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: 10-15 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ 2 ಗ್ರಾಂ/ಲೀ. ತೇವಗೊಳಿಸಬಹುದಾದ ಗಂಧಕವನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಿ.
Harvesting & Yield	**పంటకోత & దిగుబడి**	పంటకోత / దిగుబడి నాటిన తర్వాత ఫ్రెంచ్ రకంలో 60–70 రోజులలో, ఆఫ్రికన్ రకంలో 75–90 రోజులలో పూలు కోతకు సిద్ధంగా ఉంటాయి. పూలు పూర్తిగా వికసించి, వాడిపోకముందే పంటను కోయాలి. సగటు దిగుబడి: ఎకరానికి 80–100 క్వింటాళ్లు (రకం మరియు కాలాన్ని బట్టి).	**ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಇಳುವರಿ**	ಕೊಯ್ಲು / ಇಳುವರಿ ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ನಂತರ 60–70 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ (ಫ್ರೆಂಚ್) ಮತ್ತು 75–90 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ (ಆಫ್ರಿಕನ್) ಹೂವುಗಳು ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತವೆ. ಹೂವುಗಳು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ತೆರೆದಾಗ ಆದರೆ ಬಾಡುವ ಮೊದಲು ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಸರಾಸರಿ ಇಳುವರಿ: 80–100 ಕ್ವಿಂಟಾಲ್/ಎಕರೆ (ವೈವಿಧ್ಯ ಮತ್ತು ಋತುವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ).
Post-Harvest Management & Storage	**పంట కోత అనంతర నిర్వహణ మరియు నిల్వ**	కోత తర్వాత నిర్వహణ ప్రతిరోజు ఉదయాన్నే పువ్వులను కోయండి, తడి పువ్వులను తాకవద్దు. పరిమాణం మరియు రంగును బట్టి వర్గీకరించి, వెదురు బుట్టలలో లేదా కాగితం పరిచిన గాలి ప్రసరణ గల పెట్టెలలో ప్యాక్ చేయండి. ఎక్కువ కాలం నిల్వ ఉండాలంటే, 8–10 °C ఉష్ణోగ్రత మరియు 90% ఆర్ద్రత వద్ద నిల్వ చేయండి.	**ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರದ ನಿರ್ವಹಣೆ ಮತ್ತು ಸಂಗ್ರಹಣೆ**	ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರದ ನಿರ್ವಹಣೆ ಪ್ರತಿದಿನ ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಹೂವುಗಳನ್ನು ಆರಿಸಿ, ಒದ್ದೆಯಾದ ಹೂವುಗಳನ್ನು ಮುಟ್ಟುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ. ಗಾತ್ರ ಮತ್ತು ಬಣ್ಣದಿಂದ ವಿಂಗಡಿಸಿ, ಮತ್ತು ಬಿದಿರಿನ ಬುಟ್ಟಿಗಳಲ್ಲಿ ಅಥವಾ ಕಾಗದದಿಂದ ಮುಚ್ಚಿದ ಗಾಳಿ ತುಂಬಿದ ಪೆಟ್ಟಿಗೆಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ಯಾಕ್ ಮಾಡಿ. ಹೆಚ್ಚು ಸಮಯ ಇಡಲು, 8–10 °C ಮತ್ತು 90% ಆರ್ದ್ರತೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ.
Disclaimer	**నిరాకరణ**	ఈ సిఫార్సులు SAUలు, ప్రభుత్వ సంస్థలు మరియు ప్రయోగాత్మక కేంద్రాల ఆధారంగా రూపొందించబడ్డాయి. నేల రకం, వాతావరణం, రకం మరియు పంట నిర్వహణ పద్ధతులను బట్టి వాస్తవ ఫలితాలు మారవచ్చు.	**ಹಕ್ಕುತ್ಯಾಗ**	ಈ ಶಿಫಾರಸುಗಳು SAUಗಳು, ಸರ್ಕಾರಿ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಮತ್ತು ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ಕೇಂದ್ರಗಳನ್ನು ಆಧರಿಸಿವೆ. ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರ, ಹವಾಮಾನ, ವೈವಿಧ್ಯತೆ ಮತ್ತು ಬೆಳೆ ನಿರ್ವಹಣಾ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ನಿಜವಾದ ಫಲಿತಾಂಶಗಳು ಬದಲಾಗಬಹುದು.
		చిటికడుట / శిక్షణ కొమ్మలు పెరగడానికి మరియు ఎక్కువ పువ్వులు పూయడానికి, నాటిన సుమారు 20 రోజుల తర్వాత చివరి కొమ్మను తుంచేయండి.		ಚಿವುಟುವುದು / ತರಬೇತಿ ಕವಲೊಡೆಯುವುದನ್ನು ಮತ್ತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಹೂವುಗಳನ್ನು ಉತ್ತೇಜಿಸಲು ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ಸುಮಾರು 20 ದಿನಗಳ ನಂತರ ತುದಿಯ ಚಿಗುರುಗಳನ್ನು ಚಿವುಟಬೇಕು.